

КНИГОИЗДАТЕЛСТВО „ЖИВОТЪ“

—> СОФИЯ. <—

	Цена
<i>За живота</i> отъ Л. Н. Толстой	1-40
<i>Едно е нужно</i> отъ Л. Н. Толстой	—60
<i>Голъмиятъ грѣхъ</i> отъ Л. Н. Толстой	—40
<i>Свободниятъ бракъ</i> отъ Жакъ Месниль	—40
<i>„Бириби“</i> , триактна драма отъ Дариенъ и Лора	—80
<i>Война</i> отъ Октавъ Мирбо	—50
<i>Голгота</i> отъ Октавъ Мирбо	2—
<i>Подпоритѣ на обществото</i> , драма отъ Х. Ибсенъ	1—
<i>Що е изкуство?</i> отъ Л. Н. Толстой	1-70
<i>Силата на мрака</i> , драма отъ Л. Н. Толстой	—70
<i>Моята въра</i> отъ Л. Н. Толстой	2—
<i>Животътъ и учението на Исуса</i> отъ Л. Н. Толстой	—30
<i>Зола, Толстой и Дюма</i> отъ Л. Н. Толстой	—50
<i>Крайцеровъ Соната</i> отъ Л. Н. Толстой	1—
<i>За половия въпросъ</i> отъ Л. Н. Толстой	—80
<i>Съ какво живѣятъ хората</i> отъ Л. Н. Толстой	—25
<i>Пропуснешъ ли огъня, не можъ го угаси</i> отъ Л. Н. Толстой	—20
<i>Възкресение</i> отъ Л. Н. Толстой	4—
<i>Психология на венната професия</i> отъ А. Хамонъ	1—
<i>Лошитъ водители</i> отъ Октавъ Мирбо	—80
<i>Царството Божие е въ васъ</i> отъ Л. Н. Толстой	2-50
<i>Какъвъ е моя животъ</i>	1—
<i>Какво трѣбва да правимъ</i> отъ Л. Толстой	1—
<i>Защо се хората упоаяватъ</i> „ „	1—
<i>Морски труженици</i> отъ В. Хюго	2-50
<i>Обикновено нѣщо</i> отъ В. Г. Короленко	—90